an>

title: Need to formulate a policy for proper waste management system in Patna, Bihar.

श्रीमती रमा देवी (शिवहर) ः मई-जून 2016 में डब्ल्यू.एच.ओ. द्वारा विश्व के 103 देशों के लगभग 3000 शहरों में एक सर्वे कराया गया, जिसके अनुसार पटना विश्व का छठा सबसे प्रदूषित शहर है। इस सर्वे के अनुसार दिल्ली सहित देश के अन्य 10 शहर भी टॉप की श्रेणी में शामिल हैं जो कि चिंता का विषय है। पटना जैसे शहर में प्रदूषण की मात्रा में बढ़ोतरी का मुख्य कारण निर्माण कार्य, खुले स्थानों में बालू का रखा जाना एवं ऑटों में मिलावटी तेलों का प्रयोग है। पटना में अब तक सी.एन.जी. की भी व्यवस्था नहीं है। शहर में पेड़-पौधों की जगह कंक्रीट के मकानों की अधिकता है। इसके अलावा पटना की सबसे बड़ी त्रासदी ये है कि यहां कचरा प्रबंधन है ही नहीं। कई बार कचरा सड़क पर पसरा दिखता है। ये कचरा हवा में घुलता है और तरह-तरह की बीमारियां फैलाता है। नगर-निगम द्वारा कचरे के ठोस निपटान पर ज़ोर देने की आवश्यकता है। जिसके तहत घर-घर से कचरों का कलेक्शन कर उसे अलग करके रिसाइकिल किया जाना चाहिए। देश के कई बड़े-बड़े शहरों में कूड़े के माध्यम से बिजली पैदा करने की तकनीक को अपनाए जाने पर गम्भीरता से विचार किए जा रहे हैं। इस कार्य में पटना शहर को भी शामिल किया जाए।

अतः सरकार से अनुरोध है कि बिहार स्टेट पॉल्यूशन कंट्रोल बोर्ड के साथ मिलकर कचरा निपटान ठोस नीति बनाकर उसे कठोरता से लागू किया जाए, जिससे पटना शहर को प्रदूषण से मुक्त किया जा सके।